

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

21.6.2017, लखनऊ। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गोमती नगर, लखनऊ परिसर में 21.6.2017 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्त्वावधान में मनाया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में प्रातः 7 बजे योगाभ्यास सत्र हुआ। इसमें लन्दन की सुश्री लूसी गेस्ट के कुशल निर्देशन में यह सम्पन्न हुआ। इसमें वर्षा के बावजूद संस्थान एवं दर्शन परिषद के सदस्यों एवं अन्य नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित हुए। द्वितीय सत्र कार्यशाला एवं परिचर्चा सत्र में सुश्री लूसी गेस्ट, (सचिव चन्द्रमौलि फाउण्डेशन वाराणसी) ने ही योग के विविध पक्षों पर अपना विशिष्ट उद्बोधन दिया। जिसमें योग के कारण ही आज भारत को विश्वगुरु बतलाया तथा कहा कि योग से ही आज विश्व की समस्याएं सुलझाई जा सकती हैं। राष्ट्रीय कार्यशाला-सामंजस्य तथा शांति के लिए योग विषय पर बीज व्याख्यान देते हुए आई.सी. पी.आर. के सचिव सदस्य प्रो. रजनीश शुक्ल ने योग के विभिन्न पक्षों पर प्रकाश डाला तथा वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिक बतलाया। लखनऊ वि.वि. के कला संकायाध्यक्ष प्रो. पी. सी. मिश्र ने वर्तमान में समस्याओं को दूर करने के लिए योग को कारगर बतलाया।

प्रो. रामलखन पाण्डेय ने वर्तमान स्थिति में भी शास्त्रों को प्रमाण बतलाया। राज्यपाल के कानूनी सलाहकार श्री एस. एस. उपाध्याय ने योग पर और शोध की आवश्यकता बतलायी, जिससे चिकित्सा के क्षेत्र में और अधिक प्रामाणिक बनाया जा सके। सभा की अध्यक्षता करते हुए प्रो. विजय कुमार जैन (प्राचार्य) ने भारतीय संस्कृति में योग को सूर्य के समान सबके लिए उपयोगी बतलाया तथा जैनधर्म/बौद्धधर्म एवं पतंजलि के योग में समानता पर प्रकाश डालते हुए ध्यान एवं योग विविध पक्षों को प्रासंगिक बतलाई।

योग चिकित्सा सत्र- तृतीय सत्र में ब्रह्मकुमारी स्वर्णलता ने योग का महत्व बतलाते हुए क्रोध को शमन करने के लिए योग को उपयोगी बतलाया। प्रो. लोकमान्य मिश्र अध्यक्ष शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष ने कहा कि योग 'स्वास्थ्य' के लिए तो आवश्यक है ही भारतीय संस्कृति भी उजागर होती है। निरोगी रहने के लिए पाठ्यक्रम में भी इसे सम्मिलित करने की आवश्यकता है।

संभाषण प्रतियोगिता में संस्थान के 20 शोधछात्रों ने 'जीवन के विविध आयामों में योग का महत्व' विषय पर अपने विचार रखे। निर्णायक श्री आर. के. राठौर ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। आई.सी.पी.आर. ने भी योग के महत्व पर प्रकाश डाला। आई.सी. पी.आर. की निदेशक डॉ. पूजा व्यास ने योग दिवस की पूरी संकल्पना का महत्व बतलाया। इस अवसर पर प्रतियोगियों को पुरस्कृत भी किया गया।

समन्वयक श्री पवन कुमार ने सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन करते हुए कार्यक्रम में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा परिसर एवं अनुसंधान परिषद के सभी सदस्यों ने इसमें उत्साह से भाग लिया।

समापन सत्र में कार्यक्रम के उपलब्धियों का वर्णन करते हुए डॉ. गुरुचरण सिंह नेगी ने कार्यक्रम का संचालन किया।

(प्रो. विजय कुमार जैन)

